

# मन के मंदिर में प्रभु को बसाना भजन लिरिक्स



मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है,  
खेलना पड़ता है जिंदगी से,  
भक्ति इतनी भी सस्ती नहीं है,  
मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है।bd।

तर्ज – मेरे बाँके बिहारी सांवरिया ।

---

प्रेम मीरा ने मोहन से डाला,  
उसको पीना पड़ा विष का प्याला,  
जब तलक ममता है जिन्दगी से,  
उसकी रहमत बरसती नहीं है,  
मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है।bd।

---

तन पे संकट पड़े मन ये डोले,  
लिपटे खम्बे से प्रह्लाद बोले,  
पतितपावन प्रभु के बराबर,  
कोई दुनिया में हस्ती नहीं है,  
मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है।bd।

---

संत कहते हैं नागिन है माया,  
जिसने सारा जगत काट खाया,  
कृष्ण का नाम है जिसके मन में,  
उसको नागिन ये डसती नहीं है,  
मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है।bd।

---

मन के मंदिर में प्रभु को बसाना,  
बात हर एक के बस की नहीं है,  
खेलना पड़ता है जिंदगी से,  
भक्ति इतनी भी सस्ती नहीं है,  
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिजनेस के मंदिर में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल  
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

बात हर एक के बस की नहीं है।bd।



स्वर – देवी चित्रलेखा जी।

---

समस्त भजनों के लिрикस् और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>